

इंसेक्ट फी महाकुम्भ के लिए वेक्टर कंट्रोल यूनिट तैनात

महाकुम्भ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं को मच्छर और मविखयों से मिलेगी निजात

24 घंटे अलर्ट दहेगी स्वास्थ्य विभाग की वेक्टर कंट्रोल यूनिट

लोकमित्र ब्लूग

प्रयागराज महाकुम्भ 2025 में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप महाकुम्भ को स्वस्थ और स्वच्छ महाकुम्भ बनाने के लिए बेहद खास इंतजाम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मेला क्षेत्र को इंसेक्ट फी (मच्छर-मक्कड़ी मुक्कड़ी) स्थानों के तैनात किया गया है। इसी कड़ी में मेला क्षेत्र को इंसेक्ट फी ऑफिसियल कंट्रोल यूनिट को तैनात किया गया है। बेक्टर कंट्रोल यूनिट वेल एंट्री अंतर्गत तरीके से महाकुम्भ नगर के चप्पे-चप्पे को इंसेक्ट फी बनाने का काम करेगी, जिससे श्रद्धालुओं के डॉग्स बैक्टर कंट्रोल यूनिट को तैनात किया गया है। चिकनगुनिया जैसी बायोरियों से बुझकरा दिलाया जा सकेगा, जो मच्छरों के काटने से होती है। इसके साथ ही, मविखयों के काटने के लिए अनहाइनीनिक कारण होने वाली अनहाइनीनिक समस्याओं और बायोरियों से भी निजात मिल सकेगी।

महाकुम्भ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को देखते हुए, योगी सरकार कई अहम पहल कर रही है। बेक्टर कंट्रोल यूनिट का गठन इसी का एक उदारण है। बेक्टर कंट्रोल यूनिट के द्वारा मेले में व्यापक

स्तर पर सैनिटाइजेशन किए जाने की तैयारी है। महाकुम्भ के नोडल जॉइंट सिंग ने बताया कि महाकुम्भ के दौरान चप्पे-चप्पे पर कटनाशक का छिक्काक एक जाने की तैयारी है।

उन्होंने बताया कि एक जान सेक्टर 2 में स्थापित किया गया है। इस क्षेत्र में जो कटनाशक बाहर से आ रहे हैं उनको वहाँ रुकवाया जा रहा है। जब उनके टेंट की व्यवस्था उन्हें क्षेत्र में हो जाएगी तब उन्हें वहाँ शिष्ट किया जाएगा। अभी कीरी 100 डेली वर्कर्स काम कर रहे हैं। जल्द ही यह संख्या 150 हो जाएगी, जबकि एक जनवरी से 550 वर्कर्स और 11 जनवरी से लगभग 900 डेली वेजेस वर्कर्स पूरे मेला के दौरान अलग-अलग सेक्टर में काम करेंगे।

उन्होंने बताया कि एलग-अलग जनपदों से लगभग 250 पर्माइंट स्टाफ मांग गया है। यह डेली वेजेस वर्कर्स का सुपरविजन करेंगे। 45 मलेरिया इंसेक्ट, 28 असिस्टेंट मलेरिया इंस्पेक्टर, 5 डिस्ट्रिक्ट मलेरिया ऑफिसर, 80 सुपरइंजिनर, 70 ट्रेड फॉलेट वर्कर्स की मांग की गई है।

पहली बार सभी पार्किंग स्थलों में भी किया जाएगा सेनिटाइजेशन

इस बार पहली बार मेला क्षेत्र में पार्किंग स्थलों में भी छिक्काक करेगी। सरकार ने इस बार पार्किंग स्थलों में भी सुचालय बौरें की सुविधा प्रदान की है। इसलिए इन स्थानों पर कटनाशक का छिक्काक महलपूर्ण है। अप्रैल से इसेंटेंट मलेरिया ऑफिसियल कंट्रोल यूनिट के लिए बेहद खास इंसेक्ट सेक्टर का इंचार्ज असिस्टेंट मलेरिया इंस्पेक्टर, 5 डिस्ट्रिक्ट मलेरिया ऑफिसर, 80 सुपरइंजिनर, 70 ट्रेड फॉलेट वर्कर्स की मांग की गई है।

वर्कर्स को पहली बार मिलेगी रहने और खाने की सुविधा

प्रयागराज। डॉ अनंद कुमार सिंह के अनुसार महाकुम्भ में छिक्काक और फॉर्मिंग करने वाले इन कर्मियों के लिए इस बार विशेष प्रबंध किए गए हैं। इन्हें पहली बार रहने और खाने की सुविधा मुख्या कराई जा रही है। यह व्यवस्था यहाँ महाकुम्भ नार में काम करने वाले हर दैनिक भोजी कर्मचारी को उत्तम व्यापारी होगी। इसका उद्देश्य यही है कि जरूरत पड़ने पर वर्कर्स उपलब्ध रहें और दूसरा उहरे प्रतिविद्वन आने-जाने की जड़ेजहां से बचाना है। मेले में उनकी मौजूदी श्रद्धालुओं को सुखास का अहसास कराएगी।

इसके लिए हमने 45 वर्कर्स की टीम तैयार की है जो 15-15 वर्कर्स के रूप में प्रत्येक शिष्ट में अलग-अलग जोन में मौजूद रहेंगे। यह स्टोर के काम में लगें, लेकिन इमरजेंसी की स्थिति में बाकी टीमों को डिटर्टर्ब किए जाना इन्हें एप्टिव कर दिया जाएगा और ये मौजूद कार्यक्रम के लिए एक किमी के कानून करने का प्रयास करेंगे। इन सभी

वर्कर्स को इमरजेंसी में मासिनें संचालित करने की स्थान ट्रेनिंग दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि कुम्भ की एक किमी की परेफेरी में 150 वर्कर्स काम करेंगे। हमारी प्लानिंग के एक वर्कर्स को एक किमी के नेतृत्व में महामहिम राष्ट्रपति के नेतृत्व में नाम सम्बाधित जापन भी जिलाइकारी को सौंपा।

बैंक में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इपतेखार हुसैन, दान बहादुर मधुर, बेला सिंह यादव, अर एस यादव, बच्चा यादव, सचिन श्रीवास्तव, अमिताभ, शर्ति प्रकाश पटेल, अंशु पाल आदि जानवरी के लिए एक उदारण है। बेक्टर कंट्रोल यूनिट के द्वारा रहने वाले योगी बैंक में व्यापक

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचने के साथ था। मेला क्षेत्र में मुआवया करने का लिए एक गाड़ी रहेगी।

हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी,

जिसका उद्देश

संक्षिप्त

खबरें

भीमराव अंबेडकर पर गृहमंत्री द्वारा किए गए टिप्पणी से आक्रोशित सपाईयों ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम एडीएम को सौंपा ज्ञापन



कौशाम्बी। डॉ भीमराव अंबेडकर पर गृहमंत्री द्वारा किए गए टिप्पणी से नाराज सपाईयों ने मुख्यालय रिस्ट ड्यूटी मैदान में प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम कौशाम्बी को सौंपा है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष दया शंकर यादव ने दिए गए ज्ञापन के बाबतों से बताया कि 17 दिसंबर को राज्यसभा में संविधान की चर्चा के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा एडीएम समाज के महानायक डॉ भीमराव अंबेडकर का नाम लेकर टिप्पणी किया, जिसमें अंबेडकर को मनाने वाले लोगों को गारा आवाह आवाह लगा है। युरुवार को मुख्यालय के तहत ड्यूटी मैदान में दर्जनों सपाईयों ने प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम स्थानिक प्रदर्शन सिंह को सौंपते हुए गृहमंत्री से मार्पि मार्पन व इन्स्ट्रॉफे की मांग की है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष दया शंकर यादव के साथ पूछ यादव, ऊर्ध्वशैषमय यादव, मुजाहिद हुसैन जैके यादव, राजू सिंह, विक्रम सिंह, अरुण चौधरी सहित दर्जनों सपाई मौजूद रहे।

दबंग कुनबे ने हैंडपंप से पानी भरने के विवाद में दम्पति को पीटा

चरवा, कौशाम्बी। चरवा थानाक्षेत्र के हिंगावाही मजरा सेंगर सरावां गांव में युरुवार की सुखन दबंग ने परिवार सग हैंडपंप से पानी भरने के विवाद में दम्पति को लाई-डॉड से पीट दिया। पिटाइ से दोनों को काँपी चोटें आईं। चौख पुकार सुनकर ने यौंक पहुंचे लोगों ने परिवार कर मामले को खाली कराया। यादवों ने थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ मामले के तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की सुबह वह हैंडपंप पर पानी भरने के लिए पहुंच गया। वह पहले पानी भरने को लेकर उसकी बाली को फेंक दिया। साथ ही उसके साथ विवाद करने पर उन्होंने लाई-डॉड से उसकी पिटाइ करना शुरू कर दिया। उसके दोनों को पहुंचे पति करने को भी उहाने पीट दिया। उसके दोनों को काँपी चोटें आईं। शरा सुनकर वहां पहुंचे लोगों ने चौख बचाव कर मामले को खाली कराया। यादवों ने थाने जाकर आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ मामले के तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

साहब ग्रामसभा की भूमि पर दबंग कर रहे अवैध कब्जा, शिकायत

सिराथू कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के एक गांव में कुछ लोगों ने ग्रामसभा की नवीन परती के नाम सुरक्षित भूमि पर अवैध कब्जा कर टीन शेड बगैर डाल लिया है, गांव के एक व्यक्ति ने एसडीएम सिराथू को शिकायती पत्र देकर खलिहान की भूमि को खाली कराए। जाने की मांग की है सिराथू तहसील क्षेत्र के करामुदीन गांव के सभी लोगों ने चौख बचाव करने के लिए पहुंच गया। वहां परिवार करने पर जाकर आरोपियों के खिलाफ मामले के तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

युवक ने दिव्यांग किशोरी के साथ बाग में किया दुराचार, शिकायत

चायल, कौशाम्बी। संदोंपन थार थानाक्षेत्र के एक गांव में बुधवार की शाम खेत की ओर शौके के लिए गयी। किशोरी के साथ एक युवक ने दुराचार किया। शोर मचाने पर उन्होंने किशोरी की पिटाइ भी की साथ ही कहीं शिकायत करने पर जान से भासने की धमकी देते हुए भाग गया। किशोरी ने घर पहुंचकर परिजों को आपकीती सुनाई-पिटिंग के मां के साथ थाने जाकर आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ मामले के तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

काट डाले आठ महुआ के हरे पेड़, मुकदमा दर्ज

चायल, कौशाम्बी। तहसील के चौराईली गांव में बन विभाग की बौर अनुमति के महुआ के आठ पेड़ काटने पर पुलिस ने बीट इंचार्ज की तहरीर पर लकड़ी माफियाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तहसील क्षेत्र में अधिकतर रात में चौराई से पेड़ों का कटान किया जाता है। चायल बीट इंचार्ज ठाकुरीने ने बताया कि बुधवार की शाम उसकी 14 बर्षीय पुरी शौके के लिए खेत की ओर गयी थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव का एक युवक वहां पहुंचा और उसको पास के महुआ की बूझी को खाली कराए। जाने की मांग की है सिराथू के नाम सुरक्षित भूमि पर गांव के लिए एसडीएम सिराथू को शिकायती पत्र देकर खलिहान की भूमि को खाली कराए। जाने की मांग की है तहसील क्षेत्र के करामुदीन गांव के सभी लोगों ने चौख बचाव करने के लिए पहुंच गया। वहां परिवार करने पर जाकर आरोपियों के खिलाफ मामले की धमकी देते हुए आपकीती सुनाई। उसकी आपकीती सुनकर उन्होंने तहरीर दी। तहरीर पाकर पुलिस शिकायत की जांच में जुट गई है।

आत्म निर्भर बनाने में विशेष योगदान देने वाली महिला पुलिस कर्मियों को एसपी ने किया सम्मानित

कौशाम्बी। पुलिस कार्यालय के दुर्ग भाभी सभागार में शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज 5 अधिकार वर्ष 2024 में शासन के निर्देशों के अनुरूप महिला बीट प्राप्तानी के अंतर्गत सरकारी कल्याणपालकी योजनाओं के विषयालय हेट्प्लाइन नंदरों का अपने बीट क्षेत्र में प्रचार-प्रसार करते हुए महिलाओं एवं बच्चियों को जागरूक करने व आत्म निर्भर बनाने में विशेष योगदान देने वाली महिला पुलिस कर्मियों को पुलिस अधीक्षक वृद्धेश कुमार शीवालय द्वारा ग्रामस्थित प्रदर्शन करते हुए उत्साहवर्धन किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी

कौशाम्बी सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारीगण मौजूद रहे।

अजुहा सभासद के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी ने कांग्रेस प्रत्याशी को 56 मतों से हराया

► पुलिस की कड़ी सुरक्षा में सिराथू तहसील में सम्पन्न हुई मतगणना



लोकमित्र व्यूगे
सिराथू, कौशाम्बी। नगर पंचायत अजुहा के वाड़ ने आठ में रिक्त हुए सभासद पद के उपचुनाव में दर्जनों सपाईयों ने प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम कौशाम्बी को सौंपा है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष दया शंकर यादव ने दिए गए ज्ञापन के बाबतों से बताया कि 17 दिसंबर को राज्यसभा में संविधान की चर्चा के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा पीड़ीए समाज के महानायक डॉ भीमराव अंबेडकर का नाम लेकर टिप्पणी किया, जिसमें अंबेडकर को मनाने वाले लोगों को गारा आवाह आवाह लगा है। युरुवार को मुख्यालय के तहत ड्यूटी मैदान में दर्जनों सपाईयों ने प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम स्थानिक प्रदर्शन सिंह सिंह को सौंपते हुए गृहमंत्री से मार्पि मार्पन व इन्स्ट्रॉफे की मांग की है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष दया शंकर यादव के साथ पूछ यादव, ऊर्ध्वशैषमय यादव, मुजाहिद हुसैन जैके यादव, राजू सिंह, विक्रम सिंह, अरुण चौधरी सहित दर्जनों सपाई मौजूद रहे।

लोकमित्र व्यूगे
सिराथू, कौशाम्बी। नगर पंचायत अजुहा के वाड़ ने आठ में रिक्त हुए सभासद पद के उपचुनाव में दर्जनों सपाईयों को सौंपा है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष दया शंकर यादव ने दिए गए ज्ञापन के बाबतों से बताया कि 17 दिसंबर को राज्यसभा में संविधान की चर्चा के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा पीड़ीए समाज के महानायक डॉ भीमराव अंबेडकर का नाम लेकर टिप्पणी किया, जिसमें अंबेडकर को मनाने वाले लोगों को गारा आवाह आवाह लगा है। युरुवार को मुख्यालय के तहत ड्यूटी मैदान में दर्जनों सपाईयों ने प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम कौशाम्बी को सौंपा है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष दया शंकर यादव के साथ पूछ यादव, ऊर्ध्वशैषमय यादव, मुजाहिद हुसैन जैके यादव, राजू सिंह, विक्रम सिंह, अरुण चौधरी सहित दर्जनों सपाई मौजूद रहे।

लोकमित्र व्यूगे
सिराथू, कौशाम्बी। नगर पंचायत अजुहा के वाड़ ने आठ में रिक्त हुए सभासद पद के उपचुनाव में दर्जनों सपाईयों को सौंपा है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष दया शंकर यादव ने दिए गए ज्ञापन के बाबतों से बताया कि 17 दिसंबर को राज्यसभा में संविधान की चर्चा के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा पीड़ीए समाज के महानायक डॉ भीमराव अंबेडकर का नाम लेकर टिप्पणी किया, जिसमें अंबेडकर को मनाने वाले लोगों को गारा आवाह आवाह लगा है। युरुवार को मुख्यालय के तहत ड्यूटी मैदान में दर्जनों सपाईयों ने प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम कौशाम्बी को सौंपा है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष दया शंकर यादव के साथ पूछ यादव, ऊर्ध्वशैषमय यादव, मुजाहिद हुसैन जैके यादव, राजू सिंह, विक्रम सिंह, अरुण चौधरी सहित दर्जनों सपाई मौजूद रहे।

लोकमित्र व्यूगे
सिराथू, कौशाम्बी। नगर पंचायत अजुहा के वाड़ ने आठ में रिक्त हुए सभासद पद के उपचुनाव में दर्जनों सपाईयों को सौंपा है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष दया शंकर यादव ने दिए गए ज्ञापन के बाबतों से बताया कि 17 दिसंबर को राज्यसभा में संविधान की चर्चा के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा पीड़ीए समाज के महानायक डॉ भीमराव अंबेडकर का नाम लेकर टिप्पणी किया, जिसमें अंबेडकर को मनाने वाले लोगों को गारा आवाह आवाह लगा है। युरुवार को मुख्यालय के तहत ड्यूटी मैदान में दर्जनों सपाईयों ने प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम कौशाम्बी को सौंपा है। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष दया शंकर यादव के साथ पूछ य

सम्पादकीय

सम्पादकीय

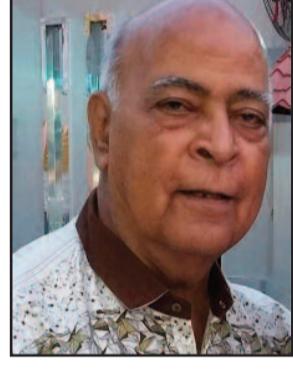
कानून के आदर की आम हालत की ही एक झालक

साल 2013 म जकर यूपीए-2 का सरकर न कायथ्स्थला पर यन उत्पीडन रोकने का अधिनियम (संक्षेप में पॉश कानून) बनाया। लेकिन उस पर अमल का हाल क्या है, यह खुद सुप्रीम कोर्ट के ताजा दिशा-निर्देशों से जाहिर होता है। कार्य स्थलों पर यैन उत्पीडन रोकने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने 27 साल पहले जारी किए थे। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने ये निर्देश जारी किए, जिन्हें %विशाखा गाइडलाइन्स' के रूप में जाना जाता है। उन दिशा-निर्देशों की भावना के मुताबिक कानून बनाने में 15 साल लग गए। इस बीच कई सरकारें आईं और गईं। 2013 में जाकर यूपीए-2 की सरकार ने यह अधिनियम (संक्षेप में पॉश कानून) बनाया, लेकिन उस पर अमल का हाल क्या है, यह खुद सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देशों से जाहिर होता है। जस्टिस बीबी नागरता और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने निर्देश दिया है कि पॉश कानून को पूरे देश में समान रूप से लागू किया जाए। अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 31 दिसंबर 2024 तक हर जिले में एक अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। यह अधिकारी 31 जनवरी 2025 तक स्थानीय शिकायत समिति का गठन करेगा और तात्काल स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा। कोर्ट ने जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया है कि वे पॉश अधिनियम की धारा 26 के तहत सार्वजनिक और निजी संगठनों का सर्वेक्षण करें और मार्च 2025 तक रिपोर्ट पेश करें। जाहिर है, कानून बनाने के 11 साल बाद भी ये सारे कदम नहीं उठाए गए हैं। ताजा निर्देश एक याचिका पर आया, जिसमें गुजारिश की गई है कि कोर्ट केंद्र और राज्य सरकारों से पूछे कि क्या सभी मंत्रालयों और विभागों में यैन उत्पीडन के आरोपों की जांच की समिति का गठन हो गया है। जस्टिस बीबी नागरता की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस कानून को पूरे देश में लागू किया जाना है। कोर्ट तीन महीने के भीतर सर्वेक्षण करने और 31 मार्च 2025 तक रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दे रहा है। पॉश अधिनियम की धारा 26 में प्रावधान है कि कोई विभाग, मंत्रालय या निजी संगठन अपने यहां जांच समिति का गठन नहीं करता है, तो उस पर 50,000 रु. तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। मगर ऐसी समितियां आज तक बनी ही नहीं हैं। यह देश में कानून के आदर की आम हालत की ही एक झलक है।

सरोकार



अमित शाह द्वारा कांग्रेस को दिखाएं आईने को तोड़ मरोड़ कर पेश करने का झूठ पकड़ा गया



अशोक भाटिया

कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ नेताओं को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुछ वीडियो विलप साझा करने पर बुधवार को झं से नोटिस मिला। विपक्षी सूत्रों ने कहा कि झं (पहले ऊँद्धरहट्ट) की चिट्ठी में गृह मंत्रालय (खा) के साइबर ऋश्म कोऑर्डिनेशन सेटर से मिले नोटिस का हवाला दिया गया है। इसमें उनके द्वारा शेयर की गई सामग्री को भारत के कानून का कथित तौर पर उल्लंघन करने वाला करार देते हुए हटाने को कहा गया है। एक्स ने नोटिस जारी तब किया, जब भाजपा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस राज्यसभा में बीआर आवेंडकर के बारे में अमित शाह के भाषण के संपादित वीडियो शेयर कर रही है। सूत्रों ने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुरोध पर कांग्रेस के हैंडल को नोटिस जारी किया गया था। कांग्रेस द्वारा अमित शाह के भाषण की एक विलप साझा करने के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया

राशिफल



	मेष	आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज व्यवसायिक कार्य योजना में बदलाव करेंगे, जिसका अच्छा परिणाम मिलेगा। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन आपकी ग्रोथ के लिए मदहार रहेगा, फिलहाल आपकी इनकम पहले जैसी ही रहेगी। नौकरी कर रहे लोगों को जल्दी ही स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।
	वृष	आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस में अत्यधिक कार्यभार बना रहेगा। आज अति आत्मविश्वास के बजाय सोच समझ कर कार्यों को शुरू करें। आज आपके पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे, परिवार के सभी सदस्य मिल-जुल कर गेम्स खेलेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, साथ ही खर्चा भी कम रहेगा।
	मिथुन	आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज पारिवारिक संपत्ति सम्बन्धी समस्या सुलझ सकता है, जिसमें वरिष्ठ सदस्यों की अहम भूमिका रहेगी। आज स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। आज खर्चों की अधिकता की बजह से कुछ उलझन में रहेंगे। परंतु जल्दी ही परिस्थितियां आपके अनुकूल हो जाएंगी, इसलिए धैर्य बनाकर रखें।
	कर्क	आज का दिन आपके लिए थ्रीक-ट्रिक रहने वाला है। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर आज आप ध्यान देंगे। अगर बिजनेस बढ़ाने के लिए योजनाएं बना रहे हैं तो उन पर काम करने के लिए अनुकूल समय है। किसी प्रभावशाली इंसान की सलाह और मदद से आपको नई उपलब्धि मिल सकती है।
	सिंह	आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। परिवार में अपना उचित समय देना वातावरण को मध्यूर बनाकर रखेगा। आज दिन भर दौड़-धूप तथा मेहनत की अधिकता रहेगी, परंतु कार्य की सफलता आपकी थकान को दूर भी कर देगी। किसी जरूरतमंद मित्र की मदद करने से आपको अच्छा फ़ील होगा।
	कन्या	आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज इस बात का भी ध्यान रखें, कि भावनाओं में आकर किसी प्रकार का महत्वपूर्ण निर्णय न लो। माता-पिता बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाकर रखें, क्योंकि ज्यादा अंकुश लगाना उनके आत्मबल में कमी कर सकता है। आज किसी भी तरह की यात्रा करते समय सावधानी बरतें।

कुछ भी कहो, सरकारी तंत्र में नहीं बटा भ्रष्टाचार

अशाक मधुप

कद्र और भाजपा शासित राज्यों को सरकारे कितना ही भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का दावा करें किंतु सच्चाई इसके वितरीत है। एक सर्वे में दावा किया गया है कि 100 में से 66 लोगों को अपना काम कराने के लिए सरकारी तंत्र को रिक्षित देनी पड़ती है किंतु सच्चाई इसके विपरीत है। शायद ही कोई विभाग ऐसा होगा जहां बिना रिक्षित दिए काम हो जाए। सब जगह हालत बहुत खराब है और भाजपा राज्यों की तरह भाजपा शासित राज्यों में भी प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार का बोलबाल है। सरकारें मौन हैं। देश में केंद्र और राज्य सरकारें कारोबार में सहूलियत और निजी क्षेत्र के निवेश में तेजी लाने पर जोर दे रही हैं। वहीं भ्रष्ट सरकारी मशीनरी अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल कंपनियों और उद्यमियों से अवैध तरीके से पैसे उगाहने में लगी हैं, जिसके चलते देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने की सिंगल विंडो क्लियरेंस और ईज आफ डुइंग बिजेनेस जैसे प्रयासों को पलीता लग रहा है। एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि करीब 66 प्रतिशत कंपनियों को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए रिक्षित देनी पड़ती है। कंपनियों ने दावा किया कि उन्होंने सप्लायर क्रॉलीकेशन, कोटेशन, ऑर्डर प्राप्त करने तथा भुगतान के लिए रिक्षित दी है। लोकल सर्कल्स की रिपोर्ट के अनुसार कुल रिक्षित का

७३ प्रतिशत कानून, जाप ताला खाद्य, दवा, स्वास्थ्य आदि सरकारी विभागों के अधिकारियों को दर्द गई। जांच रिपोर्ट कहती है कि कानून कारोबारियों ने जीएसटी अधिकारियों प्रदूषण विभाग, नगर निगम और बिजली विभाग को रिश्तत देने की धर्म सूचना दी है। पिछले १२ महीनों में जिन कंपनियों ने रिश्तत दी, उनमें से ५४ प्रतिशत को ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि ४६ प्रतिशत ने समय पर काम पूरा करने के लिए भुगतान किया। इस तरह कई रिश्तत जबरन वसूली के बराबर है। सरकारी एजेंसियों के साथ काम करते समय कंपनियों के काम जान बूझ कर रोके जाते हैं और रिश्तत लेने के बाद ही फाइल को मंजूरी दी जाती है। सीसीटीवी कैमरों लगाने से सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार कम नहीं हुआ है। सर्वे में दावा किया गया है कि सीसीटीवी से दूर, बंद दरवाजे के पांछे रिश्तत दी जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि सरकारी ईप्रोक्योरमेंट मार्केटप्लेस जैसी पहल भ्रष्टाचार को कम करने के लिए अच्छा कदम है, लेकिन सरकारी विभागों में रिश्तत लेने के गस्ते खुले हुए हैं भ्रष्टाचार के मुद्दे पर डेलायर इंडिया वा पार्टनर आकाश शर्मा ने कहना है कि बहुत सी कंपनियों को लगता है कि नीतियों और प्रक्रिया के मामलों में थोड़ा पैसा देते रहने नियम कानून वे मोर्चे पर कड़ी जांच पड़ताल और जुर्माने से बच जाएं। सर्वे में

18,000 कानूनाराखा का उपराज्यकालीन शामिल किया गया है। सर्वे देश 159 जिलों में हुआ है। व्यवसायों पिछले 12 महीनों में आपूर्तिकर्ता रूप में अर्हता प्राप्त करने, काटेशन और ऑर्डर सुरक्षित करने तथा भुगतान एकत्र करने के लिए विभिन्न प्रकार की संस्थाओं को रिश्ता देने वाली बात स्वीकार की है। यह सर्वेक्षण 2023 मई से 30 नवंबर 2024 के बीच किया गया था। सर्वेक्षण में भाग ले वाली व्यावसायिक फर्मों ने कहा है कि 75 प्रतिशत रिश्तत कानूनूनी मेट्रोलॉजी, खाद्य, औषधि, स्वास्थ्य आदि विभागों के अधिकारियों को गई है। सरकारी विभागों को धूस देने वाले कारोबारियों का प्रतिशत इस प्रकार है।

कानूनी, माप तौलनी, खाद्य, दवा और स्वास्थ्य विभाग-	75, लेबर और पीएफ विभाग-
69, संपत्ति और भूमि पंजीकरण	68, जीएसटी अधिकारी- 62, प्रदूष विभाग- 59, नगर निगम- 57, इनकाउटरैक्स-
45, पुलिस-	47, अग्नि शमन-
42, बिजली- 41, आबकारी-	38
आंकड़े कुछ भी हों, सच्चाई इससे बदलत है। ये बड़े स्तर की बात है। स्थानीय स्तर पर तो हालत इससे भी खराब है। भाजपा शासित प्रदेश वाले राज्यों में तो सपा लब्बस शासन काल में जहां गलत काम एवं हजार रूपये में हो जाता था, उसी भाजपा शासन में गलत काम तो हो जाता है।	

लाना नहीं, सहाय काम कराने का ना हजार की जगह बोस हजार से दिए जाते हैं बिजली के कनेक्शन लिए आवेदन करिये। ये बहुत बड़ा काम है, किंतु बिजली इंस्पैक्टर रिक्षत दिए कनेक्शन स्वीकृत होगा। बिजली की फीटिंग किसी से कराएं किंतु बिजली विभाग अधिकृत ठेकेदार से बिजली फीटिंग का प्रमाणापत्र लेना होता है। ठेकेदार बिजली इंस्पैक्टर का भाग आपसे ले लेता है। रजिस्टर आरा में धड़ल्ले से बैनामे की राशि का प्रतिशत वसूला जाता है। यह अधिकारी सीधे नहीं लेते।

बैनामा लिखने का तिब लेता है। शाम को बैनामा आरा से दिन भर का लेन लट्टै जाता है। एनओसी देने वाले विभाग की तो हालत और भी खराब। फायर विभाग के अधिकारियों ने अपने ठेकेदार रख लिए हैं। उनकी सुरक्षा का सारा काम ये ही वह है। इसके बाद भी एनओसी से करने के लिए लाखों रुपया बच जाता है। और ते और अग्निशमन अधिकारी एनओसी देने से पहले फायर उपकरण अपने चहोंठे ठेकेदार से सम्पार्श करते हैं। स्थानीय नियमों में निर्माण कार्यों में 45 से पहले प्रतिशत से ऊरे आम कमीशन लिया रहा है। केंद्र और प्रदेश सरकार आदेश हैं कि सरकारी खरीद पार्टल से हो। इसका भी रास्ता निर्धारित गया। कंपनी के एजेंट अधिकारी

ते निराला हा कनाराण तो होता हा अधिकारी अपना जैम पोर्टल का पासवर्डकंपनी के एजेंट को बता देते हैं। एजेंट पासवर्ड लेकर जैम पार्टल से ही अपनी फर्म से खरीदारी करता है। सामान के रेट में अधिकारियों का कमीशन जुड़ जाता है। सब वैसे ही चल रहा है। कहीं कुछ नहीं बदला। सरकार भ्रष्टाचार रोकने को आदेश बाद में करती है। अधिकारी और सलायर रास्ता पहले निकाल लेते हैं। उत्तर प्रदेश में आदेश हो गए कि सामन प्रदेश स्तर से खरीदा जाएगा। अब काम और भी सरल हो गया। पहले जिलों में अधिकारियों से संपर्क कर माल सप्लाई होता था। अब अकेले प्रदेश स्तर में ही जुगाड़ करना पड़ता है।

इसी का कारण है कि जिलों के अस्पतालों में वितरण के लिए वे दवाई आती हैं, जिनकी एक्सपायर डेट नजदीक होती है। दवा आने के साथ ही आदेश आते हैं कि दवा की एक्सपायर डेट नजदीक है। जल्दी बांटकर दवा खत्म करो। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को घटिया क्लालिटी के भेजन वितरण की शिकायत आम बात है किंतु कुछ होता नहीं। लेखक एक दिन दूधिए से बात कर रहा था। लेखक ने दूधिए से पूछा कि किसी को कुछ देना तो नहीं पड़ता। उसने कहा कि तीन इंस्पैक्टर हैं। दो प्रतिमाह 1500लक्ष 1500 रुपये लेते हैं। और तीसरा दो हजार। मैंने पूछा

पिराम लूप्ट हा। उस कहा कि बिजनौर जैसे छेठे शहर में तीन हजार दूधिए दूध सप्लाई करते हैं। पास्पोर्ट के आवेदन के वेरीफिकेशन के लिए पुलिस और एलआइयू में जाकर देखिए। ऐसे ही पुलिस में चरित्र की जांच के लिए जाइए। बिना लिए लैदिए कुछ नहीं होगा। भ्रष्टाचार की इससे बड़ी सीमा क्या होगी, कि अधिकारियों ने राइफल एसोसिएशन के नाम पर शास्त्रों के लाइसेंस बनाने पर 10 से 30 हजार रुपये तक कुछ जगह वसूलने शुरू कर दिए। शास्त्र नवीनीकरण पर तो शुल्क एसोसिएशन शुल्क लंबे समय से लिया जा रहा है। इस एसोसिएशन में जमा धन का न कोई हिसाब है न ही कोई आटिंड। ऐसे ही जनपद के नाम पर कल्याण समिति बना ली है। इसियत और वारिसैन बनवाने आने वालों से बड़ी रकम वसूलीनी शुरू कर दी गयी रकम अधिकारियों के ऐशल और आराम पर खर्च होने लगी। अधिकारियों की कोठी में थोक में एयर कंडीशन लगने लगे। कोठियों की राजाओं जैसी सजावट होने लगी। अलगल अलग जगह अलग लूअलग तरह के रास्ते निकाल लिए। पुराने लोग कहते हैं कि भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे जाता है, किंतु अब ऐसा नहीं है। अब ऊपर की न शिकायते मिलती हैं न चर्चाएं किंतु नीचे तो सब और लूट के द्वार खुलें हैं। कहीं भी जाइए। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

समसायक

विपक्षी एलायंस को जिंदा रखने राहुल को डिस्ट्रेफिट करो

हरिशंकर व्यान

यदि गहुल गांधी राजनीति से रिटायर हो जाएं, विदेश जा कर बस जाएं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गौतम अडानी चैन की वह सांस लेंगे, जिसकी हम-आप कल्पना नहीं कर सकते हैं। इसलिए मोदीजी के भारत को आज चाहिए राहुल व सोनिया गांधी की कुरबानी। इसलिए क्योंकि राहुल को मोदी, अडानी न खरीद सकते हैं और न बोलने से रोक सकते हैं। जबकि सोनिया गांधी इसलिए समस्या हैं क्योंकि वह पुत्रमोह में है और इसके चलते वे उससे कांग्रेस की कमान नहीं लेती हैं तो जिद्दी राहुल को बोलने से रोक भी नहीं सकती। यही वह सत्त्व-तत्त्व है, जिस पर यह राजनीति है, प्रयोजित मीडिया से हल्का है कि %ईडिया' ब्लॉक की लीडरशीप के लायक कांग्रेस नहीं है। इसलिए ममता बनर्जी %ईडिया' ब्लॉक की नेता बने। नैरेटिव बनाया जा रहा है कि कांग्रेस को लेकर परस्परेशन डउन है तो विषय के एलायंस को बचना है तो किसी दूसरी पार्टी का नेता %ईडिया' ब्लॉक की लीडरशीप सभाले। जाहिर है राहुल गांधी को डिस्क्रेडिट करो, उसे हाशिए में रखो ताकि विपक्षी एलायंस जिंदा रह सके। इस तरह की राजनीति को मैं जनता पार्टी याकि मोरारजी देसाई, चरण सिंह, मधु लिम्ये, राजनारायण के समय से देखता आ रहा हूँ। धीरूभाई अंबानी के दिनों में वीपी सिंह, देवीलाल, शरद यादव के राज में थी। अंबानी के समय %चांदी की 'जूतियों' का हमना हूँ जो सरकार के नजर एक विरोधी राहुल गांधी को बुलाए रहराए। वह पहले नंदें मोदी से मिल कर अनुमति लेगा। तब शादी में आमंत्रित करने की हिम्मत कर सकेगा। जाहिर है राहुल गांधी की वह निरता व फकीरी है जो अपने हाल में राजनीति करते हुए है। भले पार्टी भूखे मरे या कड़की में रहे! ईमानदारी से सोचें, पिछले दस वर्षों की राजनीति तथा मोदी-अडानी के वर्चस्व में विपक्षी नेताओं के व्यवहार का लब्ज़ूलुआब निकालें तो क्या निकलेगा? क्या यह नहीं कि सरकार का विरोध तो राहुल गांधी से ही है। यदि मोदी ने सत्ता का पहाड़ अपनी ऊँगली पर उठाया हुआ है तो राहुल गांधी की ऊँगली पर विपक्ष का पहाड़ है। राहुल गांधी ही वह बला है, जिससे राफेल से अडानी तक का मसला घर-घर पहुंचा है। और यह इसी सप्ताह भाजपा के फांसीसी मीडिया समूह %मीडिया पार्टी' के हवाले आरोप से मालूम हुआ कि यह वेबसाइट राफेल के पीछे अभी भी पड़ी हुई है। भाजपा ने इसके हवाले जो आरोप लगाए उन पर %मीडिया पार्टी' ने उलटे यह बयान दिया है कि भाजपा द्वाठ बोल रही है। उसके दावे गलत हैं तथा अब यह एक स्थापित तथ्य है कि मोदी सरकार 36 राफेल लड़कू विमानों की खरीद संबंधी भ्रष्टाचार के मामले को हर कीमत पर दफन करने की कोशिश कर रही है। फांसीसी न्यायिक जांच में बाधक रही है। मतलब यह कि फांस में मामला गत्तव्य नहीं बल्कि समीटने वाला

८५

कभी जो प्यार था पहला हमारा।



दिव्या सिंह सिसोदिया
लखनऊ

कौशाम्बी/प्रयागराज

दिनेश कुमार बाजपेई अद्युता वार्ड नंबर 10 के बने सभासद 56 मतों से हुए विजयी

जीत का प्रमाणपत्र लेकर नगर पहुंचे नवनिर्वाचित सभासद का जोरदार स्वागत

लोकमित्र ब्लूरो

अद्युता कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अद्युता वार्ड नंबर 8 सभासद पद के लिए हुए उपचुनाव की मतदान मंगलवार को 8:00 बजे से तहसील सभागां में संपन्न हुई 9:30 बजे तक मतदान खत्म हो गई मतदान के बाद दिनेश कुमार बाजपेई को 56 मतों से विजयी घोषित किया गया। वार्ड नंबर 8 गांधीनगर नगर सभासद पद के उपचुनाव में 3 प्रत्याशी मैदान में थे इनमें से विजय श्री हसिल करने वाले प्रत्याशी दिनेश कुमार बाजपेई को 880 मतों के सापेक्ष 268 मत उनके किटटम प्रतिद्वंदी विवेक कुमार अग्रही को 212 मत जीतने को 165 मत प्राप्त हुए। विजय प्रत्याशी को जीत का प्रमाण पत्र दिया गया। मतदान के दौरान पुलिस द्वारा सुरक्षा के व्यापक इतजाम किए गए थे जबकि वार्ड की बाब्त नंबर 8 गांधी नगर के सभासद कृष्ण कुमार बाजपेई की कैंसर बीमारी से असमय मौत हो गई थी जिस पर उपचुनाव के बाद आज मतदान



नंबर 8 गांधी नगर के सभासद कृष्ण कुमार बाजपेई की कैंसर बीमारी से असमय मौत हो गई थी जिस पर उपचुनाव के बाद आज मतदान

कौशाम्बी में बड़े स्तर पर प्रकार सम्मेलन कराने की बनी रणनीति



लोकमित्र ब्लूरो
अपने-अपने विचार व्यक्त किया कौशाम्बी। जनपद मुख्यालय मंड़नपुर में प्रकारों की एक बैठक भारतीय प्रकार संघ के बैरार तले एक बड़े स्तर पर कौशाम्बी में सम्मेलन कराया जाए। समस्त प्रकारों ने इस बात का समर्थन किया इसके लिए।

इमरान सैयद के नेतृत्व में अधिवक्ता दिखायेंगे दम-ख्रम

लोकमित्र ब्लूरो
प्रयागराज इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता ओं की टीम 27वें अधिवक्ता भारतीय अधिवक्ता क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने चेहरे रही है। उक्त प्रतियोगिता का उद्घाटन उच्च न्यायालय एवं मद्रास उच्च न्यायालय के माननीय न्यायप्रियों की गरमानीयी उपस्थिति में होगा। नगर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता शक्ति स्वरूप निर्गम, तरुण अग्रवाल, प्रशान्त मिश्र, प्रद्युम्न सेनेद्र कुमार राजेश कुमार शम्भुल हसन अशोक कुमार भौमी सहित तमाम प्रकारों ने इस बात का समर्थन किया इसके लिए।

टीम इस प्रकार -इमरान सैयद (कासन), राहुल सिंह, शिवम यादव, सैफ अहमद, आजद खान,

लोकमित्र ब्लूरो
आकाश मिश्र, अजय पाण्डे, नीलेश त्रिपाठी, मोहित सिंह, मनोज दिवाकर, विष्णु सिंह, अनिल सोनकर, शेलेन्ड्र सिंह, हर्ष द्विवेदी, वर्षन अद्युता विवाह की शरण दिलायी जाए। इसके बाद उपचुनाव के लिए तहसील का चक्रवाल ब्लाक या जिला मुख्यालय का चक्रवाल लगाना पड़े। इनके लिए शासन ने हर ग्राम पंचायत में लाखों रुपए खर्च कर पंचायत भवन का निर्माण कराया। पंचायत सभावक भवन की निरुक्त किए गए। लेकिन इसका लाभ आम

लोकमित्र ब्लूरो
लोडियारी (प्रयागराज)। ग्रामीणों को आय, जाति या अन्य प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील, ब्लाक या जिला मुख्यालय का चक्रवाल लगाना पड़े। इनके लिए शासन ने हर ग्राम पंचायत में लाखों रुपए खर्च कर पंचायत भवन का निर्माण कराया। पंचायत सभावक भवन की निरुक्त किए गए। लेकिन इसका लाभ आम

लोकमित्र ब्लूरो
लोडियारी (प्रयागराज)। ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। अधिकार ग्राम पंचायत में ताले लटके रहे हैं। ग्राम पंचायत अपने बनवाने के लिए तहसील, ब्लाक या जिला मुख्यालय का चक्रवाल लगाना पड़े। इनके लिए शासन ने हर ग्राम पंचायत में लाखों रुपए खर्च कर चैडाई कम कर कर शहर वासियों को जाम से निजात दिलाया जाए। इसी के साथ शहर की जन समस्याओं से अवगत कराया। जाम देने वालों में श्रीश चंद्र दुबे, पूर्ण सिंह और परिसर में ग्रामीणों ने बताया कि इस परिसर में ग्रामीण भारत के लिए शासन द्वारा धन निर्मांत किए गए थे। लेकिन ग्राम प्रधान द्वारा एक वर्ष पूर्व को खाते से धन निकलकर डकार लिए। जिससे बच्चों को खेलने कूदने में काफी दिक्कत उठनी पड़ रही है। इन्हाँ नीहां विद्यालय जर्जर हालत में लावरिस की तरह पड़ रही है। खराब होने से इसकी सार्वानुष्ठानी की तरह पड़ रही है। अब उसकी जांच कर कर चैडाई कम कर कर शहर वासियों को जाम से निजात दिलाया जाए। इसी के साथ शहर की जन समस्याओं से अवगत कराया। जाम देने वालों में श्रीश चंद्र दुबे, पूर्ण सिंह और परिसर में ग्रामीणों ने बताया कि इस परिसर में ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। अधिकार ग्राम पंचायत में धन उपलब्ध कराया गया है। जबकि दो कर्माने में लागाकर उसे छोड़ दिया गया। जिससे आज भी कच्ची जमीन पर बच्चों को बैठना पड़ रहा है।

लोकमित्र ब्लूरो
लोडियारी (प्रयागराज)। एक तरफ प्रदेश सरकार रिक्षा के प्रति जागरूकता अधियाय के तहत सब पढ़े सब - बड़े के गंभ - गंभ प्रचार - प्रसार करने के लिए तहसील, ब्लाक या जिला मुख्यालय का चक्रवाल लगाना पड़े। उक्तों का चक्रवाल सड़कों पर गैरी हो गई है। शहर में आए दिन जाम रहता है। इनकी जांच कर कर चैडाई कम कर कर शहर वासियों को जाम से निजात दिलाया जाए। इसी के साथ शहर की जन समस्याओं से अवगत कराया। जाम देने वालों में श्रीश चंद्र दुबे, पूर्ण सिंह और परिसर में ग्रामीणों ने बताया कि इस परिसर में ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। अधिकार ग्राम पंचायत में धन उपलब्ध कराया गया है। जबकि दो कर्माने में लागाकर उसे छोड़ दिया गया। जिससे आज भी कच्ची जमीन पर बच्चों को बैठना पड़ रहा है।

लोकमित्र ब्लूरो
लोडियारी (प्रयागराज)। एक तरफ प्रदेश सरकार रिक्षा के प्रति जागरूकता अधियाय के तहत सब पढ़े सब - बड़े के गंभ - गंभ प्रचार - प्रसार करने के लिए तहसील, ब्लाक या जिला मुख्यालय का चक्रवाल लगाना पड़े। उक्तों का चक्रवाल सड़कों पर गैरी हो गई है। शहर में आए दिन जाम रहता है। इनकी जांच कर कर चैडाई कम कर कर शहर वासियों को जाम से निजात दिलाया जाए। इसी के साथ शहर की जन समस्याओं से अवगत कराया। जाम देने वालों में श्रीश चंद्र दुबे, पूर्ण सिंह और परिसर में ग्रामीणों ने बताया कि इस परिसर में ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। अधिकार ग्राम पंचायत में धन उपलब्ध कराया गया है। जबकि दो कर्माने में लागाकर उसे छोड़ दिया गया। जिससे आज भी कच्ची जमीन पर बच्चों को बैठना पड़ रहा है।

लोकमित्र ब्लूरो
लोडियारी (प्रयागराज)। एक तरफ प्रदेश सरकार रिक्षा के प्रति जागरूकता अधियाय के तहत सब पढ़े सब - बड़े के गंभ - गंभ प्रचार - प्रसार करने के लिए तहसील, ब्लाक या जिला मुख्यालय का चक्रवाल लगाना पड़े। उक्तों का चक्रवाल सड़कों पर गैरी हो गई है। शहर में आए दिन जाम रहता है। इनकी जांच कर कर चैडाई कम कर कर शहर वासियों को जाम से निजात दिलाया जाए। इसी के साथ शहर की जन समस्याओं से अवगत कराया। जाम देने वालों में श्रीश चंद्र दुबे, पूर्ण सिंह और परिसर में ग्रामीणों ने बताया कि इस परिसर में ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। अधिकार ग्राम पंचायत में धन उपलब्ध कराया गया है। जबकि दो कर्माने में लागाकर उसे छोड़ दिया गया। जिससे आज भी कच्ची जमीन पर बच्चों को बैठना पड़ रहा है।

लोकमित्र ब्लूरो
लोडियारी (प्रयागराज)। एक तरफ प्रदेश सरकार रिक्षा के प्रति जागरूकता अधियाय के तहत सब पढ़े सब - बड़े के गंभ - गंभ प्रचार - प्रसार करने के लिए तहसील, ब्लाक या जिला मुख्यालय का चक्रवाल लगाना पड़े। उक्तों का चक्रवाल सड़कों पर गैरी हो गई है। शहर में आए दिन जाम रहता है। इनकी जांच कर कर चैडाई कम कर कर शहर वासियों को जाम से निजात दिलाया जाए। इसी के साथ शहर की जन समस्याओं से अवगत कराया। जाम देने वालों में श्रीश चंद्र दुबे, पूर्ण सिंह और परिसर में ग्रामीणों ने बताया कि इस परिसर में ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। अधिकार ग्राम पंचायत में धन उपलब्ध कराया गया है। जबकि दो कर्माने में लागाकर उसे छोड़ दिया गया। जिससे आज भी कच्ची जमीन पर बच्चों को बैठना पड़ रहा है।

लोकमित्र ब्लूरो
लोडियारी (प्रयागराज)। एक तरफ प्रदेश सरकार रिक्षा के प्रति जागरूकता अधियाय के तहत सब पढ़े सब - बड़े के गंभ - गंभ प्रचार - प्रसार करने के लिए तहसील, ब्लाक या जिला मुख्यालय का चक्रवाल लगाना पड़े। उक्तों का चक्रवाल सड़कों पर गैरी हो गई है। शहर में आए दिन जाम रहता है। इनकी जांच कर कर चैडाई कम कर कर शहर वासियों को जाम से निजात दिलाया जाए। इसी के साथ शहर की जन समस्याओं से अवगत कराया। जाम देने वालों में श्रीश चंद्र दुबे, पूर्ण सिंह और परिसर में ग्रामीणों ने बताया कि इस परिसर में ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। अधिकार ग्राम पंचायत में धन उपलब्ध कराया गया है। जबकि दो कर्माने में लागाकर उसे छोड़ दिया गया। जिससे आज भी कच्ची जमीन पर बच्चों को बैठना पड़ रहा है।

लोकमित्र ब्लूरो
लोडियारी (प्रयागराज)। एक तरफ प्रदेश सरकार रिक्षा के प्रति जागरूकता अधियाय के तहत सब पढ़े सब - बड़े के गंभ - गंभ प्रचार - प्रसार करने के लिए तहसील, ब्लाक या जिला मुख्यालय का चक्रवाल लगाना पड़े। उक्तों का चक्रवाल सड़कों पर गैरी हो गई है। शहर में आए दिन जाम रहता है। इनकी जांच कर कर चैडाई कम कर कर शहर वासियों को जाम से निजात दिलाया जाए। इसी के साथ शहर की जन समस्याओं से अवगत कराया। जाम देने वालों में श्री